

दिल्ली की 62% जमीन से जमकर हो रहा भूजल दोहन

अजय राय • नई दिल्ली

हर मंच पर भले ही बूंद-बूंद पानी बचाने की बात हो रही है, लेकिन राष्ट्रीय राजधानी की कई तहसीलों में बूंद-बूंद भूजल दोहन करने की स्थिति बनी हुई है। दिल्ली की 34 तहसीलों में से सिर्फ पांच ही सुरक्षित और चार कम खतरे वाली हैं। बाकी के 25 में 12 तहसील भूजल दोहन के मामले में खतरे वाली व 13 अति दोहित हैं। खतरे वाली और अति दोहित क्षेत्र का कुल भू-भाग दिल्ली का करीब 62 प्रतिशत है। जल शक्ति मंत्रालय की केंद्रीय भूजल संसाधन आकलन रिपोर्ट के मुताबिक नई दिल्ली जिले

34 में से 5 तहसील सुरक्षित, चार कम खतरे वाली, 12 खतरे वाली, 13 अति दोहित यूनिट



की तीनों तहसीलों में भूजल दोहन का स्तर बेहद खराब है। साथ ही तीन जिलों की तीन-तीन तहसीलों में से दो-दो भी इसी स्थिति में हैं।

नई दिल्ली की राह पर उत्तर पूर्वी, दक्षिण और शाहदरा

जरूरत से काफी ज्यादा भूजल दोहन के मामले में सात जिलों की 13 तहसीलें दिल्ली की स्थिति को और खतरनाक बना रही हैं। इसे रिपोर्ट में अति दोहित श्रेणी में रखा गया है। इसमें सबसे अब्बल नई दिल्ली जिला है, यहां की तीनों तहसीलों चाणक्यपुरी, वसंत विहार व दिल्ली कैंट में भूजल दोहन की यही रफ्तार रही तो भविष्य के लिए भूजल ही नहीं बचेगा। यह पूरा क्षेत्र करीब 158 वर्ग किलोमीटर का

वर्ष 2023 के आकलन रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली की करीब 74 प्रतिशत भूमि से भूजल दोहन अधिक हो रहा है। सिर्फ 14 प्रतिशत

है। इसके साथ ही उत्तर पूर्वी, दक्षिण व शाहदरा की प्रत्येक तीन तहसीलों में से दो-दो तहसीलें इसी राह पर हैं। इनमें उत्तर पूर्वी की यमुना विहार व करावल नगर, दक्षिण की मेहरौली व साकेत और शाहदरा जिले की विवेक विहार व शाहदरा तहसील शामिल है। इसके अलावा मध्य जिले की करोल बाग, उत्तरी की नरेला, दक्षिण पश्चिम की कापसहेड़ा और पश्चिम की राजौरी गार्डन तहसील भी इसी श्रेणी में हैं।

के लगभग जमीन में भूजल की स्थिति ठीक है। पांच तहसीलों की करीब 330 वर्ग किमी जमीन, जहां भूजल सुरक्षित है, उसमें दक्षिण

पश्चिम, मध्य की एक-एक, उत्तर पश्चिम की दो तहसील और नजूल भूमि की एक यूनिट है। कम खतरे वाली यूनिटों में उत्तर की अलीपुर, उत्तर पश्चिम की सरस्वती विहार, पश्चिम की पंजाबी बाग व उत्तर पूर्वी दिल्ली की सीलमपुर तहसील हैं। खतरे वाली आठ जिलों की 12 तहसीलें हैं। इनमें उत्तर की माडल टाउन, दक्षिण पश्चिम की द्वारका, दक्षिण की हौज खास, मध्य की कोतवाली, पश्चिम की पटेल नगर, शाहदरा की सीमापुरी, दक्षिण पूर्व की कालकाजी, डिफेंस कालोनी, सरिता विहार, पूर्व की गांधी नगर, मयूर विहार, प्रीत विहार तहसील शामिल हैं।